>

Title : Need to conduct an inquiry into the Kalka Mail train accident in Fatehpur district in Uttar Pradesh and provide adequate compensation to the victims of the train accident.

श्री राकेश सचान (फतेहपुर): मेरे क्षेत्र में दिनांक 10.7.2011 को मलवां स्टेशन में दोपहर 12.20 बजे दिल्ली जाने वाली कालका मेल दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें 75 लोगों की मृत्यु हो गई और लगभग 200 लोग गंभीर रूप से घायल हुए । दुर्घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के समाजसेवी व गरीब किसानों ने तुंत ही घायल यात्रियों को डिब्बों से निकाल कर फतेहपुर व कानपुर के अस्पतालों में अपने साधनों से उपचार के लिए भर्ती कराया । मलवां से कानपुर की दूरी मात्र 55 कि.मी. और इलाहाबाद की दूरी 110 कि.मी. है और रेलवे सहायता को पहुंचने में 4 घंटे से ज्यादा समय लगा । रेल सहायता गाड़ी भी 4 से 5 घंटे के बाद रेलवे के डीआरएम तथा अन्य रेलकर्मियों सहित पहुंची । रेल दुर्घटना में डिब्बों के ऊपर डिब्बों के चढ़े होने से रेलकर्मियों को घायल यात्रियों की सहायता करने में असमर्थ होने के बाद में सेना की मदद ली गई । तब कहीं इन डिब्बों से घायलों को निकाला जा सका । दुर्घटना स्थल पर 4-5 घंटों तक क्षेत्रीय लोगों की मदद से ही घायल यात्रियों को कोचों से निकाला गया । दिल्ली से मुगलसराय के इस रेल खण्ड का उपयोग रेलवे अपनी क्षमता से दुगनी से अधिक क्षमता से कर रही है । स्थिति यह है कि हर 4 से 5 मिनट में रेलगाड़ियां गुजरती रहती है । रेल पटरियों तथा संचार प्रणाली का अत्यधिक उपयोग होने से आए दिन दिक्कतें हो रही हैं जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं । इस रेल दुर्घटना की जांच एक उच्च स्तर की तकनीकी कमेटी से होनी चाहिए ताकि रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस उपाय किए जा सकें तथा इस दुर्घटना के दोषी रेलकर्मियों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाही की जाए । घायल यात्रियों को जो सहायता राशि प्रदान की गई है वह काफी कम है, इसे और अधिक बढ़ाया जाए । साथ ही, उन सभी क्षेत्रीय लोगों को भी प्रोत्साहित किया जाए जिनकी सहायता से काफी लोगों की जानों को बचाया गया है ।